

## Newspaper Clips

### January 23, 2016

# जेएनएयू को मिला वीसी, डीयू को अभी इंतजार

■ अक्टूबर 2015 से ही कार्यवाहक वीसी चला रहे हैं डीयू

नई दिल्ली, 21 जनवरी (ब्यूरो) : जेएनयू के वर्तमान उप कुलपति प्रोफेसर सुधीर कुमार सोपौरी का कार्यकाल 27 जनवरी को खत्म हो रहा है। उनका कार्यकाल खत्म होने से पहले ही जेएनयू को उसका नया वीसी मिल गया है। मगर डीयू के साथ स्थिति उल्टी है। डीयू वीसी का कार्यकाल अक्टूबर 2015 में पूरा हो चुका है और तब से ही डीयू को कमान कार्यकारी उपकुलपति के हाथों में है। मगर अभी तक डीयू को उसका नया वीसी नहीं मिल पाया है। जेएनयू में वीसी की नियुक्ति को लेकर डीयू के बाद प्रक्रिया शुरू हुई थी, मगर डीयू से पहले जेएनयू को उसका नया वीसी मिल गया।

डीयू में वीसी की नियुक्ति को लेकर हो रही देरी के पीछे डीयू में वीसी पद के लिए जेएनयू के मुकाबले ज्यादा मातृमारी होना बताया जा रहा है। वहाँ सूत्रों की मानें तो जहाँ जेएनयू में केवल वामपंथ का गढ़ है, वहीं डीयू में वामपंथ के सक्रिय होने के साथ ही कांग्रेस भी काफी मजबूत है। पूर्व कुलपति के समय में वीसी और शिक्षकों के बीच हालात काफी बिगड़ गए थे और दोनों के बीच



## स्वामी के नाम पर भी हुई थी चर्चा

जेएनयू की गिनती देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में होती है। इस वजह से यहाँ के कुलपति पद को लेकर युद्धिजीवियों में भी चर्चा तेज रहती है। इसके साथ ही जेएनयू को वामपंथ का गढ़ माना जाता है। ऐसे में सरकार बदलने के बाद यहाँ पर भाजपा नेता सुब्रहमण्यम स्वामी को वीसी बनाए जाने की भी चर्चा हुई थी। स्वामी का नाम उभरने के बाद इस वीसी पद को लेकर तरह-तरह की अटकलें तेज हो गई थी। तब स्वामी ने खुद कहा था कि उन्होंने सरकार के सामने 3 शर्तें रखी थी, जेएनयू का वीसी बनने के लिए। 3 शर्तें रखने के बाद सरकार खुद उनके नाम से पीछे हट गई थी।

कम्यूनिकेशन बिल्कुल खत्म-सा हो गया था। ऐसे में नए वीसी से जहाँ डीयू शिक्षकों को काफी उम्मीदें हैं, तो उनके निशाने पर रहने की भी संभावना है। ऐसे में नियुक्ति से पहले एचआरडी हर



पहलू पर विचार कर रहा है। वहीं, यह भी माना जा रहा है कि जेएनयू में नए वीसी के आने के बाद एचआरडी सहायक के अंदर डीयू को भी उसका नया वीसी दे सकता है।

## JNU के अगले कुलपति होंगे जगदीश कुमार

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर (ब्यूरो) : जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय को बहुत जल्द नया कुलपति मिल जाएगा। राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर जगदीश कुमार के नाम पर मुहर लगा दी है। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के अगले कुलपति होंगे। मनाव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा भेजे गए 4 पैनल के नामों में से राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार के नाम पर मंजूरी दी है। वे 27 जनवरी को कार्यकाल खत्म कर रहे प्रोफेसर सुधीर सोपौरी के बाद अपना कार्यभार संभालेंगे। जेएनयू में कुलपति का कार्यकाल संभालने से पहले आईआईटी दिल्ली में



## राष्ट्रपति ने आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर के नाम पर लगाई मुहर

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर जगदीश कुमार ने कहा कि जेएनयू का कुलपति बनने के बाद उनकी प्राथमिकताएं छात्रों से बातचीत कर शोध कार्यों में सुधार लाना, भर्ती प्रक्रिया को सुचारू बनाना और अन्य संस्थाओं

के बीच संबंधों को बेहद मजबूत करती जैसे विषयों पर जोर देना होगा। जेएनयू के कुलपति के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने वैज्ञानिक वीएस चौहान, अरएन बामजई, रामकृष्ण रामस्वामी और जगदीश कुमार का नाम भेजा था। राष्ट्रपति सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों के विजिटर राष्ट्रपति होते हैं, जिन्होंने 4 मसूदा लोगों की सूची में से जगदीश कुमार के नाम का चयन किया। जेएनयू की नए कुलपति की घोषणा पर जेएनयूसयू ने स्वागत किया है। जेएनयूसयू के संयुक्त सचिव ने आशा जताते हुए कहा कि प्रो. सोपौरी के कार्यकाल में अंधेध तरीके से की गई लाइब्रेरियन और वित्त अधिकारी की नियुक्ति को वाह जांच करारेंगे।

## विज्ञान भारती के कार्यक्रम में दिखे थे प्रो. जगदीश

जेएनयू का वीसी बनाए जाने के बाद से ही प्रोफेसर एम. जगदीश के अरएनएस से जुड़े होने की बातें कहीं जा रही हैं। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। वह अरएनएस से जुड़े संगठन विज्ञान भारती से भी जुड़े हुए हैं। विज्ञान भारती के कार्यक्रम में भी वह दिखे गए थे। अब उनके वहाँ होने के अर्थ निकाले जा रहे हैं। वहीं इस विषय में प्रो. एम. जगदीश का कहना है कि मैं एक शिक्षक हूँ और किसी संगठन से औपचारिक जुड़ाव नहीं है।

## आईआईटी के उत्कृष्ट शिक्षक हैं नए कुलपति

जेएनयू के चो छात्रों के बीच अपनी उत्कृष्टता के लिए माना जाता है। जगदीश कुमार को आईआईटी दिल्ली में 2013 में उत्कृष्ट शिक्षक अवार्ड से नवाजा जा चुका है। सद्गोप्य जगदीश कुमार तेलंगाना से संबद्ध स्थित है। जगदीश कुमार ने आईआईटी मद्रास से अपना मास्टर करने के बाद इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में वही से की है। इसके बाद प्रो. कुमार ने कन्नडा की वाटरलू विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विषय पर डबल पीएचडी की है। प्रो. जगदीश कुमार इस समय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पोषित सेंट्रल ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेनोडिवायस एंड सिस्टम में वीप इंजीनियरिंग की निम्नोदरी निभा रहे हैं, जबकि टेलीकॉम रेग्युलेटरी ऑफ इंडिया (ट्राई) में सदस्य है। इसके साथ ही प्रो. कुमार इस समय लेनो इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, लेनो स्केल डिवाइस की बनावट पर काम कर रहे हैं। वहीं उन्होंने अपने 6 इनामों के लिए पेटेंट भी एप्लाइ किया हुआ है। प्रो. जगदीश कुमार को प्रतिबिम्बित पदवी आयोजित करने का अनुभव है। प्रो. कुमार को वर्ष 2012 में गेट का पेंटरमैन नियुक्त किया गया था।

## Always in the news: 10 controversies surrounding Smriti Irani

<http://www.hindustantimes.com/india/always-in-the-news-10-controversies-surrounding-smriti-irani/story-DlY09ojlgKDjvxPk8J2VVK.html>

Congress workers in Bhopal burn an effigy of HRD minister Smriti Irani to protest her comments on Rohit Vemula. Irani had said Vemula's death was not related to caste.

Union human resource development minister Smriti Irani is under fire for her handling of the University of Hyderabad issue where a Dalit research scholar committed suicide.

The issue has snowballed into a massive political controversy with critics alleging that the HRD ministry pushed for the Dalit students to be punished by sending five reminders to the university's vice-chancellor after labour minister Bandaru Dattatreya complained to Irani's department.

Opposition parties and activists have also hit out at Irani for allegedly distorting facts in the case.

Here's a look at other controversies the minister and her ministry has been embroiled in ever since she took charge in 2014.

### **Irani's degree problem**

The minister's educational qualifications came under scrutiny immediately after she took charge in May 2014. While critics argued how could the country's education portfolio be handed to a person who had not even gone to college, a case was filed against the minister over allegations that she made contradictory claims about her education in documents filed in different years with the Election Commission.

In her April 2004 affidavit to the EC Irani said she completed her BA in 1996 through a long-distance or correspondence program from the University of Delhi. In 2014, ahead of the general elections, she claimed she had completed a bachelor's degree in commerce from the School of Open Learning, Delhi University.

Irani's claim to have a degree from Yale University also was lampooned by her critics. The university later clarified that she had only attended a week-long programme, India-Yale Parliamentary Leadership Program, in 2013.

### **[HRD Ministry orders judicial inquiry into Rohith Vemula's suicide](#)**

#### **Delhi University's FYUP row**

The rollback of the Delhi University's four-year university programme in 2014, a year after it had been initiated on the order of the HRD minister, invited mixed reaction from the academics and students. While some hailed it as a great move, others called it an attempt by the Irani-led ministry to impose its decision on an autonomous institution that had taken the decision after following the due process.

#### **IIT-Delhi director's resignation**

The resignation of IIT-Delhi director RK Shevgaonkar from his position in December 2014, two years prior to completion of his tenure, was attributed to the unnecessary intervention by Irani in the affairs of the premier technological institute. It was alleged that Irani had pressed upon Shevgaonkar to release the salary due of nearly Rs 70 lakh to former IIT-Delhi faculty and now BJP leader Subramanian Swamy for the period 1972 to 1991.

Irani denied there was any such a pressure from the ministry and alleged that Shevgaonkar resigned as he was faulted on account of setting up an "illegal" campus in Mauritius. An inquiry committee was also set up to investigate the charges against the IIT director, but nothing came out of it.

#### **Nuclear scientist Anil Kakodkar's allegations**

Nuclear scientist Anil Kakodkar resigned as the chairperson of IIT-Mumbai board in March last year alleging intervention from the HRD ministry in the selection of three IIT directors.

Irani allegedly questioned Kakodkar, who was a member of the selection committee, as to why he had called candidates outside the shortlisted ones for an interview. The nuclear scientist had then retorted that it was the prerogative of the search committee to invite such candidates if it found it necessary.

### **[Rohith Vemula's death not a matter of caste battle: Smriti Irani](#)**

#### **Bureaucrats leaving HRD ministry**

A number of bureaucrats in her ministry have left for their parent cadres or other ministries alleging her high-handed way of functioning. A lady IAS officer sought a transfer as she was publicly rebuked over her choice of room in the ministry, another allegedly left after the minister threw a file at him.

### **IIT-Madras' ban on discussion forum**

A controversy similar to the ongoing University of Hyderabad issue had erupted last year when a letter from Irani's ministry to IIT-Madras had led to the ban of the Ambedkar Periyar group, a student's discussion forum, that was critical of Prime Minister Modi.

The ministry had forwarded an anonymous letter to the institution asking why such forums were allowed in the campus.

### **[Lal Salaam to Jai Bhim: Why Rohith Vemula left Indian Marxists](#)**

### **Good Governance Day controversy**

Irani's ministry was embroiled in yet another controversy in December 2014 when Navodaya Vidyalaya Samiti asked all its schools to observe December 25 as 'Good Governance Day', which required the physical presence of students on a holiday.

The directive created an uproar as critics alleged that it was an attempt to disrupt the winter vacation and keep students forcibly in schools. Under attack, Irani clarified that it was voluntary and students who stayed back in the hostels could observe December 25 as good governance day.

### **German-Sanskrit row**

The decision of the HRD ministry-run Kendriya Vidyalayas to replace German with Sanskrit as the third language in October 2014 created a furore and turned into a diplomatic issue with German Chancellor Angela Merkel raising the matter with Prime Minister Modi when the two met at the G-20 summit in Brisbane on November that year.

### **IIM bill**

The premier management schools raised an objection to HRD ministry's move to include provisions in the IIM bill that could concentrate powers in the hands of the ministry. Facing heat, Irani's ministry held several round of meetings with the IIMs and later decided to modify/delete the contentious clauses.

### **'Separate' canteens in IIT**

Irani's ministry also came under fire over reports that it had asked the IITs to explore the possibility of having separate eating space and mess for vegetarian students. CPI(M) leader Sitaram Yechury wrote a letter to Irani saying the government has no right to "police" the food habit of students.

## Need innovative, low-cost water filters: MIT, IIM-A research

[http://www.business-standard.com/article/current-affairs/need-innovative-low-cost-water-filters-mit-iim-a-research-116012200577\\_1.html](http://www.business-standard.com/article/current-affairs/need-innovative-low-cost-water-filters-mit-iim-a-research-116012200577_1.html)

### Research also states that innovation in water filters for low-income users needed; reverse osmosis filters should also be developed

A joint research on household [water](#) filters in Ahmedabad by the Comprehensive Initiative on Technology Evaluation (CITE) at Massachusetts Institute of Technology (MIT) along with Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIM-A) has found a gap in affordable innovative water filters in households.

CITE teams studied over 100 models of [household water](#) filters from nine major brands available on the market in Ahmedabad, India and interviewed over 400 consumers, retailers, distributors and manufacturers. These models fell into three main categories: conventional particle filtration (cloth/jali mesh), gravity non-electric filters, and reverse osmosis filters.

In Ahmedabad, [MIT](#) students and researchers worked closely with students from local Indian universities to conduct the evaluation. Another student team spent the summer in the Consumer Reports labs in Yonkers, New York conducting lab tests of the same models being tested in the field.

Among the three categories, the research found that cloth and jali filters are cheap and common among [low-income](#) users, but are not effective in reducing E.coli, or turbidity.

"Gravity non-electric filters are moderately priced and far more effective than cloth filters at reducing E.coli and turbidity. Reverse osmosis is a popular type of water filter

system perceived as the best, but most of these systems are not an affordable option for the poor. Moreover, these filters generate wastewater at rates triples that of the clean water they produce-a negative environmental impact in a water scarce region," it observed.

Of the three categories, Reverse Osmosis Filters were found to remove more than 99.99 per cent E.coli. However, on the flipside, reverse osmosis systems "waste 74 liters of water for every 26 liters they clean. This makes them unsustainable in water scarce regions like Ahmedabad and India more broadly," the research found.

Conducted in 2014, findings of the research have now been made available and state that there is a "need for water quality monitoring and education among the base of the pyramid."

"There is also room for innovation in household [water filter](#) market to meet needs of low-income users. Also, more environment-friendly reverse osmosis filters need to be developed for individual households," the CITE research found.

## One more IIT-aspirant kills self in coaching hub Kota

Hindustan Times (Bhopal)

One more coaching student of Kota has hanged himself to death in Rajeev Gandhi Nagar area of Kota City on Friday.

Circle Inspector, Jawahar Nagar, Kota, Rajesh Meshram said that a student named Anson Anil Kumar (19) son of Anil Kumar of Kerala was found hanging in his hostel room on Friday evening. "He was taking coaching for IIT-JEE from last one year", he said.

The hostel warden informed the police about the incident after which police reached the spot and started inspection. Police said the possible reason behind the death could be stress.

The inspector added that a post mortem will be conducted on his parents arrival in Kota.

This is the second incident of suicide of a coaching centre student in this this year. Last year, around 19 students had committed suicide in Kota owing to fear of failure and other reasons.

Around 1.25 lakh students from all over the country flock to Kota to take coaching for engineering and medical entrance examination every year.

Kota district administration has taken several steps to curb suicide menace. They have organised recreational activity in the recent past for the students to reduce stress.

Times Of India ND 23/01/2016 P-12

# IIT pupil tries to sell kidney to repay loan, but no takers for Dalit organ

**Drops Out To Earn Living As A Sweeper**

ishita.Mishra@timesgroup.com



**Mahesh Balmiki, a 2nd-yr student of mining AT IIT-BHU, even mulled suicide when he could not pay off a Rs 2.7-lakh loan, before a former teacher came to his rescue**

**Agra:** Thrust into an uncomfortable debate about casteism by the alleged suicide of a Dalit PhD scholar in Hyderabad, Indians will find themselves further red-faced by the story of an aspiring engineer from IIT-BHU making ends meet as a sweeper.

Mahesh Balmiki, a second-year student of mining, mulled some desperate measures to pay off a Rs 2.7-lakh loan he had taken for his stu-

dies. "There was a lot of pressure. Due to my prolonged illness, I had to incur expenses for my treatment and couldn't give back the loan I took for my studies," he told TOI.

Short of options, Mahesh even began a search for a buyer for one of his kidneys. But, he later told some friends, in the thriving black market for kidneys, people first asked a donor's caste.

Mahesh added, "I visited around five hospitals in Var-

anasi and Alwar. The doctors there informed me that no one would take my kidney as I am a Dalit."

It proved a dead-end for Mahesh, and the 19-year-old,

### CASTE CAMPUS:

who some teachers describe as "very bright", had to leave his studies mid-way and take up a sweeper's job back at his village in Rajasthan's Alwar, for just Rs 4,000 a month. Tired and frustra-

ted, he often spoke with his friends about ending his life. Sensing trouble, a few of his friends approached Magsaysay award winning activist Sandeep Pandey, who took to Mahesh's cause immediately and reached out to BHU alumni for funds to pay off his loan. He succeeded, and just a few days ago, paid off Mahesh's loan. But Mahesh, whose father is paralysed and mother earns her living as a domestic help in several houses, still works as a cleaner to survive.

The brightest among his parents' three sons, Mahesh scored 85% in Class X. Despite working part-time as a cleaner during his exams and frequent bouts of illnesses, he still managed 70% in

Class XII. Better results were in store for the diligent teen who did exceedingly well in the IIT entrance test and got a seat at BHU.

"I have no option other than to clean and sweep," he said. For him, Pandey, a former contractual teacher at BHU, literally came as a godsend. "Sandeep sir helped me get rid of the loan through funds he collected from former IIT-BHU students. I have paid everything back. I believe there are hundreds like Rohith Vemula (the University of Hyderabad PhD scholar) studying at prestigious institutions in our country. Some are forced to end their lives. A few lucky ones get people like Sandeep sir," he said.

# Caste On Campus: A Dalit Student's Struggle To Return To IIT

<http://www.ndtv.com/india-news/caste-on-campus-a-dalit-students-struggle-to-return-to-iit-1268993>

The IIT director has ruled out a second chance for Praveen but he still has hope.

**Roorkee:** Six months ago, Praveen (name changed) was counted among the country's finest, a member of the elite club of "IIT students".

Today, the 20-year-old spends his days at home, or the Scheduled Tribes Commission or at the doorstep of the lawmaker of his area, fighting to return to the classroom.

He has to choose his time carefully; he can only stand for 10 minutes at a time because of polio.

Praveen was among the 73 students expelled by IIT Roorkee in July for failing their first year exams.

After protests, which were followed by a high court order, 65 were taken back, but Praveen and six others were not because they fell short on credits.

A Dalit rights body, the National Campaign of Dalit Human Rights, has, in a report, called the IIT "Brahminical" or biased towards upper castes, alleging that all seven who were not taken back in were Dalits.

It was 'unconstitutional' to fail them after the first year as many of them came from poor families and needed time and special attention to catch up, the report said.

Praveen claims caste discrimination is a reality even at IIT, which is among the world's most reputed engineering institutes.

The story of Hyderabad university student Rohith Vemula highlights discrimination that is prevalent in many universities across India, he says.

Rohith, a 26-year-old research scholar, hung himself days after being banned from the hostel, cafeteria and other areas on campus for allegedly beating a rival student activist. Students allege that he was a victim of social boycott.

Praveen said: "We are all from Hindi medium schools, we couldn't understand lessons in English and when we told the teachers, they would get angry."

The prejudice, he says, is sometimes subtle and often not - not being included in groups, the emphasis on the surname, being left out of group activities.

"Once my teacher said something against quotas and I objected. He didn't like that and he was quite a senior teacher," says Praveen.

He was in Nainital, six hours from Roorkee, when the college, on the day of the court order, said he had to take an exam.

Praveen's father is a farmer in rural Rajasthan. "All our money was spent in Kota for coaching institutes, I have no other money left to pay for any course," says the student, who has been at home since August.

Speaking to NDTV, IIT Roorkee Director Pradeepta Banerjee denied any caste discrimination. "Two students from the general category were also expelled because they didn't have enough credits," he said.

The director said the college has worked with groups of weaker students for two years and denied any bias in the system. "IIT is all about rigour and unfortunately some students are just not up to the mark," said Mr Banerjee.

The IIT director ruled out a second chance for Praveen but he still has hope. Rameshwar Oraon, chairman of the National Commission for Scheduled Tribes, has summoned the director on Praveen's case.

## Obama to Award National Medal of Science to Dr. Rakesh K. Jain

<http://www.ddinews.gov.in/Sci-Tech/Sci-Tech%20-%20Top%20Story/Pages/rakeshjain.aspx>



**An IIT-Kanpur alumnus, Dr. Jain has been regarded as a pioneer for revealing the barriers to the delivery and worth of molecular and nano-medicines in tumors, evolving new strategies to overcome the barriers.**

He is a professor of tumor biology at Massachusetts General Hospital in the Harvard Medical School.

Awarded annually the Medal of Science appreciates the work of the individuals who have made outstanding contributions to science, engineering and mathematics.

The National Medal of Science was formed by statute in 1959 and is administered for the White House by the National Science Foundation.

## IIT E-summit to promote Make in India

[Ashok Pradhan](#) | TNN | Jan 22, 2016, 04.13 PM IST

<http://timesofindia.indiatimes.com/home/education/news/IIT-E-summit-to-promote-Make-in-India/articleshow/50684017.cms>

BHUBANESWAR: E-Summit'16, an event to promote entrepreneurship being organized by Centre for Entrepreneurship, IIT Bhubaneswar begins here on Friday.

With the theme "Industry 4.0", the three-day summit will focus on promoting the Make-in-India concept by infusing IT into manufacturing processes, IIT director R V Rajakumar said.

The inaugural session is scheduled to be addressed by Rajnish Kumar (MD NBG, SBI) and Jagi Mangat Panda (MD, Ortel Communications) on Friday evening.

The first panel discussion "Vision Night" is planned to be an open house discussion on "India, Industry 4.0 & Entrepreneurship". It will bring many industry leaders for interaction with students. They include: Varun Jha (ex-COO Tata Steel), Jagi Mangat Panda (co-founder, Ortel Communications), Rajib Shekhar Sahoo (president, TiE Bhubaneswar), Devesh Sinha (founder, ESSPL), J K Rath (chairman, UCCI), Prasant Satpathy (M D, SCIL), Jagadanand Mohapatra (MD, AGIL), and Tapan Das (MD, S K Engineers).

Four other panel discussions planned in E-Summit'16 are on entrepreneurship for digital india and entrepreneurship in mineral-based industry, bio-science and bio-technology industry, and public systems. Many reputed personalities from the world of practice such as Rajiv Lochan Mohanty (Chairman, MGM Group), Mukesh Kumar (COO, Vedanta), Gyana Parija (IBM Research Labs), G C Pati (former Odisha chief secretary), and G Nayak (Director, IIIT, Bhubaneswar) will share their ideas with the young budding entrepreneurs, providing them with the much-needed help in the ideation stage of entrepreneurship.

One of the most interesting events planned in E-Summit'16 is "Investors' Drive." Here the student participants will present their Business Plans before a number of potential investors - venture capitalists, angel investors, financial institutions, and even government departments. Among them will be investors such as Raghav Kanoria (Calcutta Angels Cofounder), Sushant Nayak (IVY Consultants), Srikanth Sunder Rajan (Helion Ventures), and Binayak Acharya (Unitus Seed Fund), and investors from Indian Angel Network.